

শ্রীঃ
শ্রীমতে নিগমান্তমহাদেশিকায় নমঃ
শ্রীমান্ বেক্টনাথার্যঃ করিতাকিঁককেসরী।
বেদান্তাচার্যরর্যো মে সন্নিধত্তাং সদা হৃদি ॥

শ্রী মেল্পপত্তূর্ নারায়ণভট্টতিরি ঝিরচিতম্
॥শ্রীমন্নারায়ণীয়ম্ ॥

দশক - ২০

This document has been prepared by*
Sunder Kidambi
with the blessings of
শ্রী রঙ্গরামানুজ মহাদেশিকন্
His Holiness śrīmad āṇḍavan of śrīraṅgam

*This was typeset using Bengali for T_EX.

श्रीः
श्रीमते कृष्णाय परब्रह्मणे नमः
श्रीमते रामानुजाय नमः

॥ श्रीमन्नारायणीयम् ॥

दशक - २०

ध्वजभयोगीश्वरचरितवर्णनम्

प्रियव्रतस्य प्रियपुत्रभूता-
दामिध्रराजादुदितो हि नाभिः ।
त्र्यं दृष्टवानिष्टदमिष्टिमध्ये
तवैर तूष्ट्यै कृतयज्जकर्म ॥ १ ॥

अभिष्टुतस्तत्र मुनीश्वरैस्तव
राजः स्वतुल्यं सुतमथर्मानः ।
स्वयं जनिस्येहमिति ब्रुवाण-
स्तिरोदधा बहिषि विश्वमूर्ते ॥ २ ॥

नाभिप्रियायामथ मेरुदेव्यां
त्र्यमंशतोभूरुषभाभिधानः ।
अलोकसामान्यगुणप्रभार-
प्रभारिताशेष जनप्रमोदः ॥ ३ ॥

त्र्ययि त्रिलोकीभूति राज्यभारं
निधाय नाभिः सह मेरुदेव्या ।
तपोरनं प्राप्य भवनिषेरी
गतः किलानन्दपदं पदं ते ॥ ४ ॥

इन्द्रस्तवदुतकर्षकृतादमर्षा-
द्वर्षं नास्मिन्नजनाभरर्षे ।
यदा तदा त्र्यं निजयोगशक्त्या
स्वर्षमेनदव्यादधाः सुरर्षम् ॥ ५ ॥

জিতেন্দ্রদত্তাং কমনীং জযন্তী-
 মখোদ্বহ্নাত্মরতাশযোপি।
 অজীজনস্তত্র শতং তনূজা-
 নেষাং ক্ষিতীশো ভরতোগ্রজন্মা ॥ ৬ ॥

নরাভবন্ যোগিররা নরান্যে
 ত্বপালয়ন্ ভারতবর্ষখণ্ডান্।
 সৈকা ত্বশীতিস্তর শেষপুত্রা-
 স্তপোবলাত্ ভূসুরভূয়মীযুঃ ॥ ৭ ॥

উক্তরা সুতেভ্যোথ মুনীন্দ্রমধ্যে
 বিরক্তিভক্ত্যান্বিতমুক্তিমার্গম্।
 স্বয়ং গতঃ পারমহংস্যবৃষ্টি-
 মধা জডোন্মত্তপিশাচচর্যাম্ ॥ ৮ ॥

পরাত্মভূতোপি পরোপদেশং
 কুর্বন্ ভবান্ সর্বনিরস্যমানঃ।
 ঝিকারহীনো ঝিচচার কৃতস্মাং
 মহীমহীনাঅরসাভিলীনঃ ॥ ৯ ॥

শযুব্রতং গোমৃগকাকচর্যাং
 চিরং চরন্নাপ্য পরং স্বরূপম্।
 দরাহতস্পঃ কুটকাচলে ত্বং
 তাপান্ মমাপাকুরু রাতনাথ ॥ ১০ ॥
